P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika
E: ISSN NO.: 2349-980X Vol-II * Issue-XI*July-2015

स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों का तकनीकी एवं मूल्य शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का सर्वेक्षण अध्ययन

भारती गौतम
प्रवक्ता,
शिक्षाशास्त्र विभाग,
एक्मे कॉलेज,
आगरा

सारांश

प्राथमिक ि"ाक्षा समूची ि"ाक्षा व्यवस्था की नींव का पत्थर है। साक्षर बनने की सबसे पहली कड़ी है और प्राथमिक ि"ाक्षा में सर्वप्रथम अवसर होता है। जब बालक परिवार से निकलकर किसी अन्य व्यक्ति अर्थात् ि"ाक्षक से सानिध्य में आता है अतः बालक पर सबसे अधिक प्रभाव ि"ाक्षक का पड़ता हैं। अभी हाल ही में भारतीय विद्यालयी ि"ाक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता पर ए0एस0ई0आर0 के अनुसार चार वर्ष की विद्यालयी ि"ाक्षा पूरी करने वाले 38% बच्चे छोटे–छोटे वाक्यों को मिलाकर नहीं पढ़ सकते 55% बच्चे बच्चे तीन अंकों की संख्या से भाग नहीं दे सकते तो अन्य विषय का क्या हाल होगा इन सबके पीछे कहीं न कहीं ि"ाक्षक ही जिम्मेदार हैं जो किसी न किसी कारण से प्रभावित होकर ि"ाक्षण के प्रति उपयुक्त व्यवहार प्रद"ार्ित नहीं करते है। अतः ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक ि"ाक्षकों के अनुपयुक्त व्यवहार एवं उनमें अपने कार्यों के प्रति असन्तुष्टि एवं प्राथमिक ि"ाक्षा की समस्याओं के कारणों का समाधान ढूंढने तथा उससे सम्बन्धित तथ्यों को उजागर करने के लिए अग्रिम समस्या का चयन किया।

''प्रस्तुत शोध में 'कार्य सन्तुष्टि मैनुअल' के आधार पर उच्च कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति मैनुअल' के आधार पर सामान्य शैक्षिक अभिवृत्ति प्राप्त की गयी। प्रस्तुत"ाोध ने यहाँ यह भी पाया कि ि"ाक्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति पर उनके लिंग भेद का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। प्रस्तुत"ाोध में महिला एवं पुरुष ि"ाक्षकों की कार्य सन्तुष्टि लगभग बराबर पायी गयी है एवं शैक्षिक अभिवृत्ति भी लगभग बराबर पायी गयी है।

मुख्य शब्द : कार्य सन्तुष्टि मैनुअल, शैक्षिक अभिवृत्ति, मूल्य शिक्षा, सर्वेक्षण अध्ययन।

प्रस्तावना

ि"ाक्षा की सही दि"ाा एक बहुत ताकतवर स्त्रोत है जो समाज में आव"यक बदलाव लाती है। ि"ाक्षा बदलाव करती है ज्ञान, कौ"ाल, व्यवहार, समझ, मूल्य एवं सामाजिक अभिवृत्ति में और ि"ाक्षा का ये बदलाव ि"ाक्षक के द्वारा लाया जाता है। दा"ार्निकों का मत है कि किसी भी ि"ाक्षा का मुख्य उद्दे"य व्यक्ति में उच्च चरित्र का निर्माण और उसे समाजोपयोगी नागरिक बनाना है, और ि"ाक्षा अपने इस उद्दे"य को प्राप्त करने के लिए एक योग्य ि"ाक्षक एवं उसकी उच्च ि"ाक्षण अधिगम योग्यता पर निभर करती है। आद"ार्वादियों के अनुसार ''ि"ाक्षक वह माली है जो बालक को फूल की भाँति संवारता है।'' ि"ाक्षक से यह आ"ाा की जाती है कि वह अपने कार्य में निपुण हो और अधिकतम रूप से अपने विद्यार्थियों को उनके सर्वांगीण विकास में सहायता करे किन्तु यदि वह अपने समाजोपयोगी कार्य के लिए समर्पित न होकर असन्तुष्ट होगा तो वह अपने छात्रों को उनके विकास में सहायता करने में असफल हो जाएगा। प्राथमिक स्तर पर बच्चे ि"ाक्षक के पास उन नन्हें पौधों के समान हैं जिन्हें उचित खाद, पानी, प्रका"ा न मिलने पर उनके सम्पूर्ण विकास पर प्रभाव पड़ता है। यदि प्राथमिक स्तर पर ि"ाक्षक का व्यवहार बालकों के साथ नीरस होगा तो वे कभी अपने शैक्षिक कार्य में सफल नहीं होंगे।

वुडवर्थ कहते ह ''बालक मनुष्य का पिता है'' और यदि उसे प्राथमिक स्तर पर उचित मार्गद"ार्न प्राप्त नहीं होगा तो वह अन्य स्तर पर भी असफल हो जाएगा।

अतः ि"ाक्षक अन्य स्तर पर बालक के लिए ि"ाक्षा के निर्धारित उद्दे"यों की पूर्ति नहीं करता तो समाज का अपघटन इतन नहीं होगा जितना कि यदि

प्राथमिक स्तर के ि"क्षकों की अपने कर्त्तव्य की पूर्ति न करने पर बालक, समाज तथा राष्ट्र को नुकसान होता है।

उद्देश्य

प्रस्तुत शोध के निम्नलिखित उद्दे"य है

1. ि"क्षकों में कार्य सनतुष्टि का अध्ययन करना।
2. ि"क्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
3. ि"क्षकों मे कार्य सन्तुष्टि से उनकी शैक्षिक अभिवृत्ति से सम्बन्ध का अध्ययन करना।
4. महिला ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति से सम्बन्ध का अध्ययन करना।
5. पुरूष ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति से सम्बन्ध का अध्ययन करना।
6. महिला एवं पुरूष ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि मे सम्बन्ध का अध्ययन करना।
7. महिला एवं पुरूष ि"क्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति में सम्बन्ध का अध्ययन करना।

उपकल्पना

1. ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं होता हैं
2. महिला ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं होता है।
3. पुरूष ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं होता है।
4. परूष व महिला ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं होता है।
5. पुरूष एवं महिला ि"क्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं होता है।

परिसीमन

1. प्रस्तुत शोध में आगरा मण्डल के केवल दो ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के ि"क्षकों को लिया गया है।
2. प्रस्तुत शोध केवल 100 ि"क्षकों पर जिसमें 50 स्त्री व 50 पुरूष है लिया गया है जिनका चुनाव यादृच्छिक विधि से किया गया है।

अध्ययन विधि

अनुसंधान के तीन उद्दे"य होते हैं–सैद्धान्तिक, तथ्यात्मक एवं उपयोगिता, यह उद्दे"य अनुसंधान की विभिन्न विधियों को प्रयोग करने पर प्राप्त होते हैं प्रस्तुत शोध में शोधकर्ती ने प्रतिद"ार्ी सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में आगरा मण्डल के ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों के दो ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालयों के दोनों लिंगों क 100 ि"क्षकों अर्थात् 50 स्त्री व 50 पुरूष ि"क्षकों को लिया गया है। इन गावों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया व इसी विधि द्वारा ि"क्षकों का चयन किया गया है।

अध्ययन के स्त्रोत

प्रदत्तों का संकलन परीक्षणों को भरवाकर किया गया है।

इस अध्ययन में दो चरो का अध्ययन किया गया है–

स्वतंत्र चर – कार्य सन्तुष्टि
परतंत्र चर – शैक्षिक अभिवृत्ति

शोध में दोनों चरों के सम्बन्ध के अध्ययन के लिए अलग–अलग परीक्षण भरवाकर प्रदत्त एकत्रित किए गए है।

कार्य सन्तुष्टि

कार्य सन्तुष्टि के सम्बन्ध में आँकड़े एकत्रित करने के लिए–

मीरा दीक्षित की ि"क्षक कार्य सन्तुष्टि मापनी का प्रयोग होगा जो आव"यक रूप से प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के ि"क्षकों के लिए निर्मित है।

शैक्षिक अभिवृत्ति

शैक्षिक अभिवृत्ति से सम्बन्धित आँकड़े एकत्रित करने के लिए डा0 एस0पी0 आलूहवालिया का **(T.A.I.)** ि"क्षक मापनी का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तां का विश्लेषण

उद्दे"यों के वि"लेषण के लिए शोधकर्त्ती ने मध्यमान, मानक विचलन, मानकत्रुटि एवं क्रान्तिक अनुपात की गणना कर अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए है एवं उन्हें संचयी प्रति"ात वक्र द्वारा भी प्रस्तुत किया है।

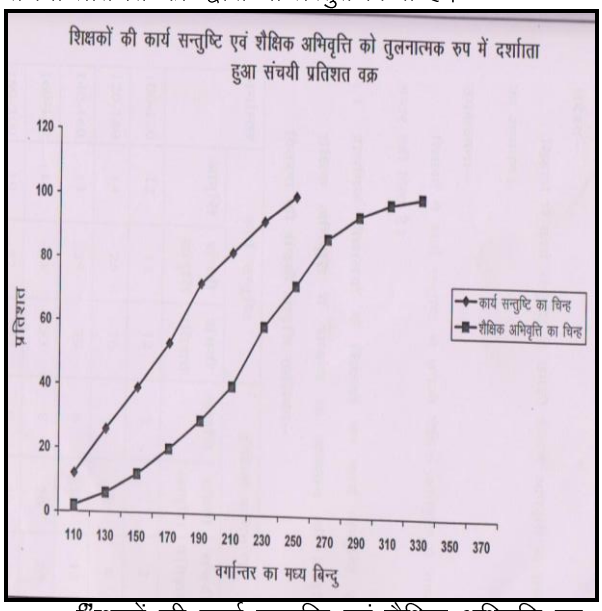

ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक संचयी प्रति"ात वक्र देखने से स्पष्ट हो जाता है कि कार्य सन्तुष्टि की रेखा शैक्षिक अभिवृत्ति की रेखा से ऊपर है। अतः वक्र में देखा जा सकता है कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में अन्तर है।

ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि परीक्षण एवं शैक्षिक अभिवृत्ति परीक्षण के मध्यमान एवं मानक त्रुटि के आधार पर क्रान्तिक अनुपात द्वारा अन्तर की सार्थकता की जाँच

क्रं. सं.	परीक्षण	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता मूल्य
1.	कार्य सन्तुष्टि	100	174.8	42.39	6.58	7.85	सार्थक अन्तर
2.	शैक्षिक अभिवृत्ति	100	226.2	50.41			

परिणाम विश्लेषण

तालिका के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि ि"ाक्षकों की कार्य सन्तुष्टि का मध्यमान 174.8 एवं मानक विचलन 42.39 है। एवं शैक्षिक अभिवृत्ति का मध्यमान 226.2 एवं मानक विचलन 50.41 है। कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति के बीच मानक त्रुटि 6.58 है एवं क्रान्तिक अनुपात 7.85 हैं जो 0.01 वि"वास स्तर पर सार्थक है अतः यहा पर शून्य परिकल्पना कि ''ि"ाक्षकों में कार्य सन्तुष्टि से उनकी शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं होता है।'' अस्वोकृत की जाती है।

प्राथमिक विद्यालयों के महिला शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति मे सम्बन्ध के अध्ययन की आवृत्ति वितरण की संचयी प्रतिशत वक्र–संचयी वक्र का विश्लेषण

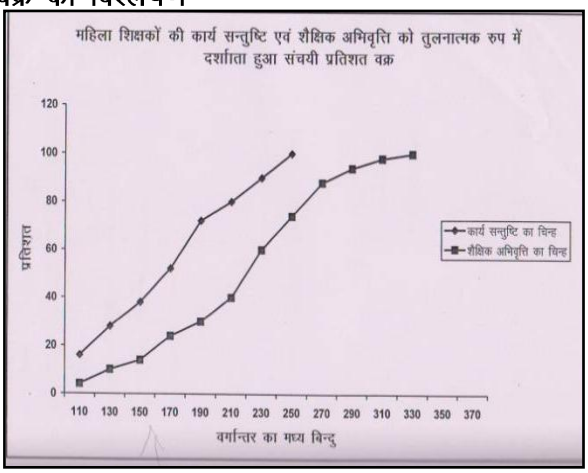

महिला ि"ाक्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति का संचयी प्रति"ात वक्र देखने से स्पष्ट हो जाता हैं। कि कार्य सन्तुष्टि की रेखा शैक्षिक अभिवृत्ति की रेखा से काफी ऊपर है अतः वक्र में देखा जा सकता है कि कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में काफी अन्तर है।

ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयां के महिला शिक्षकां की कार्य सन्तुश्टि परीक्षण एवं शैक्षिक अभिवृत्ति परीक्षण के मध्यमान एवं मानक त्रुटि के आधार पर क्रान्तिक अनुपात द्वारा अन्तर की सार्थकता की जाँच

क्र. सं.	परीक्षण	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता मूल्य
1.	कार्य सन्तुष्टि	50	174.8	44.6	9.82	4.89	सार्थक अन्तर
2.	शैक्षिक अभिवृत्ति	50	222.8	53.18			

परिणाम विश्लेषण

तालिका के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि महिला ि"ाक्षकों की कार्य सन्तुष्टि का मध्यमान 174.8 एवं मानक विचलन 44.6 है एवं शैक्षिक अभिवृत्ति का मध्यमान 222.8 एवं मानक विचलन 53.18 है। कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति क बीच मानक त्रुटि 9.82 है एवं क्रान्तिक अनुपात 4.89 जो 0.01 वि"वास स्तर पर सार्थक अन्तर है। अतः यहाँ पर शून्य परिकल्पना–अस्वीकार है।

प्राथमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों का कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में सम्बन्ध के अध्ययन की आवृत्ति वितरण की संचयी प्रतिशत वक्र

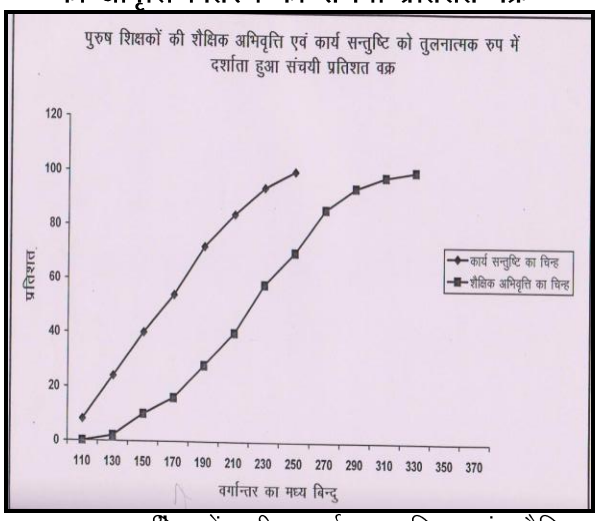

पुरूष ि"ाक्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति का संचयी प्रति"ात वक्र देखने से स्पष्ट हो जाता है कि कार्य सन्तुष्टि की रेखा शैक्षिक अभिवृत्ति की रेखा से काफी ऊपर रही है। अतः वक्र में देखा जा सकता है कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में अन्तर है।

गामीण क्षत्र के प्राथमिक विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि परीक्षण एवं शैक्षिक अभिवृत्ति परीक्षण के मध्यमान एवं मानक त्रुटि के आधार पर क्रान्तिक अनुपात द्वारा अन्तर की सार्थकता की जाँच

क्र सं.	परीक्षण	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता मूल्य
1.	कार्य सन्तुष्टि	50	174.8	39.9	8.64	6.39	सार्थक अन्तर
2.	शैक्षिक अभिवृत्ति	50	222.8	46.26			

परिणाम विश्लेषण

तालिका के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि पुरूष ि"ाक्षकों की कार्य सन्तुष्टि का मध्यमान 174.8 एवं मानक विचलन 39.9 है एवं शैक्षिक अभिवृत्ति का मध्यमान 229.6 एवं मानक विचलन 46.26 है।

कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति के बीच मानक त्रुटि 8.64 है एवं क्रान्तिक अनुपात 6.39 है। जो 0.01 वि"वास स्तर पर सार्थक अन्तर है। अतः यहा पर शून्य परिकल्पना पुरूष ि"ाक्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं होता है। अस्वीकृत की जाती है तथा यह कहा जा सकता है। कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने वाले पुरूष ि"ाक्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर होता है।

प्राथमिक विद्यालयों के महिला एवं पुरूष शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि के तुलनात्मक अध्ययन आवृत्ति वितरण की संचयी प्रतिशत वक्र

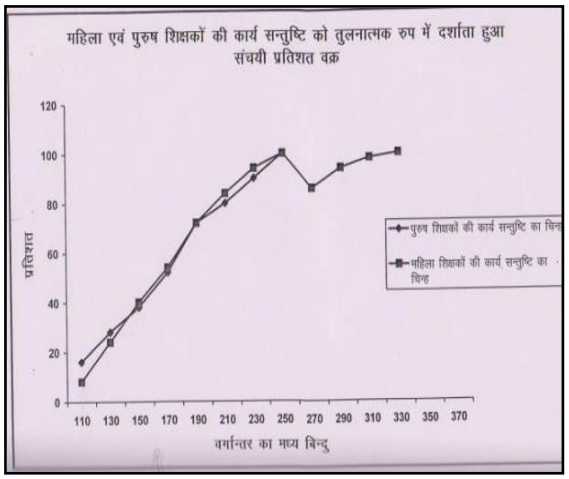

पुरूष एवं महिला ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि का तुलनात्मक संचयी प्रति"ात वक्र देखने से स्पष्ट होता है कि दोनों समूहों की रेखाएं लगभग समान रूप से एवं दूसरे को काटती हुई चल रही है। अतः देखा जा सकता है पुरूष एवं महिला ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि में अन्तर नहीं है।

ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों की महिला एवं पुरूष शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि परीक्षकण के मध्यमान एवं मानक त्रुटि के आधार पर क्रान्तिक अनुपात द्वारा सार्थकता के अन्तर की जाँच

क्र. सं.	परीक्षण	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता मूल्य
1.	पुरूष ि"क्षक	50	174.8	39.9	8.64	0	सार्थक अन्तर नहीं
2.	महिला ि"क्षक	50	174.6	44.6			

परिणाम विश्लेषण

तालिका के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि पुरूष ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि का मध्यमान 174.8 एवं मानक विचलन 39.9 है एवं महिला ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि का मध्यमान 174.8 एवं मानक विचलन 44.6 है। पुरूष एवं महिला ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि के बीच मानक त्रुटि 8. 64 है एवं क्रान्तिक अनुपात 0 है। जो 0.05 वि"वास स्तर पर सार्थक नहीं है अतः यहॉ पर शून्य परिकल्पना पुरूष एवं महिला ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं होता है। स्वीकार की जाती है तथा यह कहा जा सकता है कि ग्रामीण क्षेत्र में ि"क्षण कार्य करने वाले महिला एवं पुरूष ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि में कोई अन्तर नहीं होता है।

प्राथमिक विद्यालयों के पुरूष एवं महिला शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति के तुलनात्मक अध्ययन की आवृत्ति वितरण की संचयी प्रतिशत वक्र

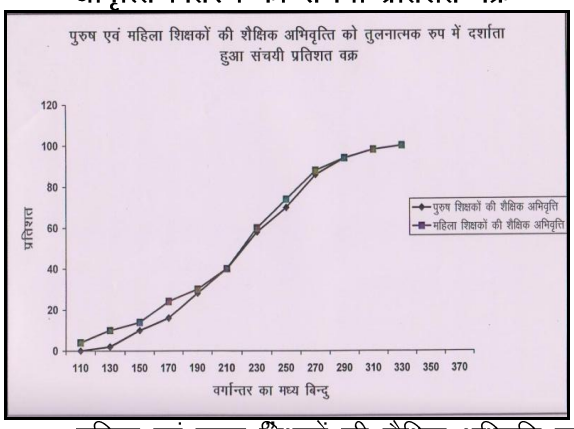

महिला एवं पुरूष ि"क्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक संचयी प्रति"ात वक्र देखने से स्पष्ट होता है कि दोनों समूहों की रेखाएं लगभग समान है एवं एक दूसरे को काटती हुई चल रही है। अतः देखा जा सकता है कि पुरूष एवं महिला ि"क्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति में अन्तर नहीं होता है।

ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों की महिला एवं पुरूष शिक्षकों में शैक्षिक अभिवृत्ति परीक्षण में प्राप्त मध्यमान एवं मानक त्रुटि के आधार पर क्रान्तिक अनुपात द्वारा सार्थकता के अन्तर की जाँच

तालिका–5

क्र. सं.	परीक्षण	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता मूल्य
1.	पुरूष ि"क्षक	50	229.6	53.18	9.97	0.68	सार्थक अन्तर नहीं
2.	महिला ि"क्षक	50	222.8	46.26			

परिणाम विश्लेषण

तालिका–5 देखने से स्पष्ट होता है, कि पुरूष ि"क्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति का मध्यमान 229.6 एवं मानक विलचन 53.18 है एवं महिला ि"क्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति का मध्यमान 222.8 एवं मानक विचलन 46.26 है। पुरूष एवं महिला ि"क्षकों की शेक्षिक अभिवृत्ति के बीच मानक त्रुटि 9.97 एवं क्रान्तिक अनुपातः 0.68 है। जो 0.05 वि"वास स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः यहाँ शून्य परिकल्पना पुरूष एवं महिला ि"क्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं होता है।–स्वीकार की जाती है।

निष्कर्ष

उद्देश्य–1 ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति के बीच सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

उद्देश्य–2 महिला ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति के बीच सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

उद्देश्य–3 पुरूष ि"क्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक, अभिवृत्ति सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

उद्देश्य–4 पुरूष एवं महिला ि"क्षकों में कार्य सन्तुष्टि में कोई अन्तर नहीं होता है।

उद्देश्य–5 पुरूष एवं महिला ि"क्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति में कोई अन्तर नहीं होता है।

परिकल्पनाओं के परीक्षण के परिणाम स्वरूप यह पाया गया कि– ''शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति में सार्थक सम्बन्ध नहीं होता है अर्थात् शिक्षक जो ग्रामीण क्षेत्रों मे कार्य कर रहे है सरकारी नौकरी के कारण उनमें वहाँ कार्य सन्तुष्टि तो है किन्तु उनकी शैक्षिक अभिवृत्ति अपने व्यवसाय के अनुकूल नहीं अर्थात् वहाँ वह उस स्तर की शैक्षिक अभिवृत्ति नहीं रखते जो उन क्षेत्रों के अनुकूल है।''

प्रस्तुत शोध में 'कार्य सन्तुष्टि मैनुअल' के आधार पर उच्च कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति मैनुअल' के आधार पर सामान्य शैक्षिक अभिवृत्ति प्राप्त की गयी है। प्रस्तुत शोध ने यहाँ यह भी पाया कि शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि एवं शैक्षिक अभिवृत्ति पर उनके लिंग भेद का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। प्रस्तुत शोध में महिला एवं पुरूष शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि लगभग बराबर पायी गयी है एवं शैक्षिक अभिवृत्ति भी लगभग बराबर पायी गयी है।

शैक्षिक निहतार्थ

1. जिन अध्यापकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति प्रतिकूल अभिवृत्ति है उनकों आवश्यक प्रेरणा देकर अभ्यास द्वारा व उचित निर्देशन द्वारा उनकी अभिवृत्ति को अनुकूल बनाया जा सकें।
2. शिक्षकों में शैक्षिक अभिवृत्ति बढ़ाने के लिए उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में उपयुक्त सुविधाएं दी जानी चाहिए।
3. ग्रामीण क्षेत्र एवं प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए समय–समय विचार विमर्श एवं संगोष्ठियों का आयोजन किया जाना चाहिए।
4. एक ही स्थान पर लगातार कार्य करने से शिक्षण कार्य नीरस न हो जाए इसीलिए समय–समय पर स्थानान्तरण ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्रों में किया जाना चाहिए।
5. सरकार और समाज को ऐसी परिस्थितियाँ बनानी चाहिए जिससे अध्यापक को निर्माण और सृजन की ओर बढ़ने की प्रेरणा मिले।
6. अध्यापकों को भर्ती करने की प्रणाली उनके कार्य की अपेक्षाओं के अनुरूप हो।
7. शिक्षकों का वेतन और सेवा की शर्तें उनके सामाजिक और व्यावसायिक दायित्व एवं छात्रों के उपलब्धि स्तर के अनुरूप हों
8. ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को विशिष्ट सेवा पुरस्कार दिए जायें एवं सरकारी एवं गैर सरकारी तौर से सम्मानित किया जाए।
9. निरीक्षण प्रणाली को अधिक पुष्ट बनाया जाये।
10. शिक्षा प्रबन्धन द्वारा सरकारी सुविधाओं को सही ढंग से जरूरत के स्तर तक पहुँचाया जाएं।
11. हर स्तर पर मूल्यांकन पर फॉलोअप कार्यक्रम पर जोर दिया जाएं।

संदर्भ सूची

1. नागर कुमारी सुनीता – ''21वीं सदी में भारतीय शिक्षा व्यवस्था कुछ सिंह अवन्ति कुछ समस्याएं व समाधान'' भारतीय आधुनिक शिक्षा अपल 2010 एन0सी0ई0टआर0टी0 नई दिल्ली।
2. नटराजन आर0 –''स्कूल ऑरगनाइजेशनल क्लाइमेट एण्ड जॉब सेटिस्फेक्शन आफ टीचर ए स्टडी'' भारतीय शिक्षा पत्रिका 2001 एन0सी0ई0 आर0टी0 नई दिल्ली, पृ0सं0 36, 43।
3. शर्मा, ए0आर0–''शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया''
4. घग्घर सी0एस0, सन्धू के0–इण्डियन जनरल ऑफ साइक्लौजी एण्ड एजुकेशनल एन0पी0 भार्गव बुक हाउस कचहरी घाट आगरा, 2004
5. कुमार प्रदीप एवं तलवार–''साइकोलिंगा 2009, एस0 एम0
6. वासु सरस–''शिक्षकों में कार्य सन्तुष्टि एवं मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन'' एम0सी0 नगर चिललपक्म रोड चैन्नई 600064 जुलाई 2009
7. चौधरी कुमार अरविन्द–''भारतीय शोध पत्रिका'' कानपुर एवं लखनऊ चौधरी के0के0 विश्वविद्यालय 2010।
8. गर्तिका राधाकान्त– जरनल ऑफ टीचर एजूकेशन एण्ड रिसर्च रॉन एस इन्स्ट्टीयूट ऑफ एजूकेशन दिसम्बर 2009।
9. इजेरे इशमी एमानुअल–''टीचर एबसेन्स ऑफ वर्क'' इन्टरनेशलन जरनल ऑफ बिजनेस मैनेजमैन्ट 2010, वाल्यूम नं0 9
10. नोबेल डी0जे0जॉन–''जॉब सेप्टिसफक्शन एण्ड स्ट्रेश इन कैथेलिक मैक्रोलिन जॉन प्राइमरी स्कूल टीचर''